JNU Just In

An initiative of School of Media Studies

JNU Just In | Jaipur | November 2023 | Vol.: 6 | Issue: 11 | Pages: 4 | Price: 1| Monthly Bilingual (Hindi/English)

प्रदूषण रहित दिवाली मनाएं: डॉ. संदीप बक्शी

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के मेन कैंपस ऑडिटोरियम में रोशनी के त्योहार दिवाली को हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। उत्सव की शुरुआत पारंपरिक दीयों की रोशनी से हुई, जो अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। परिसर में बहुत ही खूबसूरत रंगोली डिजाइनों से सजाया गया, एवं कैंपस में लाइटों और झालरों से रोशनी की गई। इस अवसर पर शिक्षकों को इंसेंटिव भी दिया गया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने फैकल्टी और कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपका समर्पण और कड़ी मेहनत हमारे संस्थान की सफलता में सहायक रही है, उन्होंने कहा कि जैसे राम के वनवास से वापस आने पर असंख्य दीपों के प्रज्जवलन से अयोध्या में अंधकार दूर हो गया था वैसे ही हम अपने हृदयों में ज्ञान के दीप जलाकर अज्ञानता, भेदभाव, ईर्ष्या, द्वेष के अंधकार को दूर करें। उन्होंने मौजूदा हालातों को देखते हुए उपस्थित सभी लोगों से प्रदूषण रहित दीपावली मनाने के लिए आवाहन किया। सभी ने ग्रीन दिवाली मनाने का संकल्प भी लिया।

विश्वविद्यालय के फैकल्टी और कर्मचारियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोचांसलर प्रो एच एन वर्मा, कुलपति प्रो आर एल रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीती बक्शी के साथ ही समस्त विभागों के डायरेक्टर, एचओडी, फैकल्टी मेंबर और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रिंसिपल और नियंत्रक, जेएनयूआइएमएसआर, लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. बी के चोपड़ा ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

केक मिक्सिंग से जेएनयू में क्रिसमस का आगाज़

अच्छे विचारों से बनाएं व्यक्तित्व को मजबूत – डॉ संदीप बक्शी

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मेनेजमेंट द्वारा केक मिक्सिंग सेरेमनी समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदारियों को जागरूक करना और उन जिम्मेदारियों को पूरा करने के तरीकों को बताना था। इस अवसर पर स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों द्वारा 25 दिसम्बर को मनाये जाने वाले क्रिसमस पर्व को यादगार बनाने के लिए खास पारंपरिक क्रिसमस केक बनाया जायेगा। जेएनयू के चांसलर डॉ बक्शी द्वारा केक की सामग्री को मिलाकर इस सेरेमनी का उद्घाटन किया। क्रिसमस के अवसर पर बनाये जाने वाले इस केक को, क्रिसमस के दिन गरीब बच्चों और अनाथालयों में वितरित किया जायेगा।

इस अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने कहा कि जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा चिकित्सा का क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र हो, विश्वविद्यालय हमेशा सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि हम जिस तरह से केक में सामग्री मिला कर केक को उत्कृष्ट बनाना है, उसी तरह हमें अच्छे विचारों को मिला कर अपने व्यक्तित्व को मजबूत बनाना चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए।

इस अवसर पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर प्रो. आर एल रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बख्शी, के साथ स्कूल ऑफ होटल मेनेजमेंट के शिक्षकगण, कर्मचारी और विद्यार्थी भी मौजूद थे। मधुर गीत और संगीत के माध्यम से अभिनंदन समारोह और केक मिक्सिंग सेरेमनी के आयोजन को यादगार बनाया गया।

मेडिकल छात्रों ने चिकित्सकीय कार्यशाला का उठाया लाभ

चांसलर डॉ संदीप बख्शी ने दी नयी चिकित्सकीय शब्दावली की जानकारी

जयपुर नेश्नल यूनिवर्सिटी, मेडिकल कालिज के एमईयू हॉल में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसिसए एंड रिसर्च सेंटर और महात्मा गांधी मेडिकल कालिज, जयपुर द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में बुनियादी जानकारी देने के लिए एक त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र की बुनियादी जानकारी देना था जिसको समझकर छात्र इस क्षेत्र में आने वाली मुश्किलों का हल ढूंढ पाएंगे। इस अवसर पर डॉ संदीप बख्शी ने छात्रों को मेडिकल क्षेत्र की शब्दावली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह शब्दावली छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र को प्रभावी ढंग से समझने और संवाद करने में मदद करेगी। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे निरंतर और सतत् विकास के बारे में छात्रों को जानकरी देते हुए कहा कि इस में निरंतर हो रहे विकास से हमें रूबरू होना होगा नहीं तो हम अपने लक्ष्य के समीप पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। प्रतिभागियों को चिकित्सा कानूनों, विनियमों और रोगी की गोपनीयता के महत्व को बताते हुए कहा कि हमें चिकित्सा क्षेत्र की जानकारी के साथ साथ चिकित्सा कानूनों व विनियमों में हो रहे परिवर्तनों को भी जानना होगा ताकि हम किसी कानूनी विवाद में न उलझ पाएं।

कार्यशाला में जेएनयूआईएमएसआरसी के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक ले. जनरल डा. बी. के चोपड़ा ने उपस्थित छात्रों को बुनियादी पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए कि कहा कि हमें चिकित्सा क्षेत्र में महारत प्राप्त करने के लिए सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान के साथ साथ कठोर अभ्यास भी करना होगा। तीन दिवसीस कार्यशाला में मेडिकल इतिहास, शारीरिक परीक्षण, सामान्य चिकित्सा स्थितियाँ जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अस्थमा, नैदानिक तकनीकों, उपचार के तौर–तरीकों, चिकित्सा नैतिकता और संचार संक्रमण नियंत्रण और रोगी सुरक्षा, इंटरएक्टिव परिश्य एवं व्यावसायिक विकास जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

छात्रों को प्रश्नों और चर्चाओं के लिए समय भी दिया जाएगा जिससे कि प्रतिभागियों को स्पष्टीकरण मिल सके और डाक्टर अपने अनुभव साझा कर सकें।

इस अवसर पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर आर. एल. रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बख्शी, जेएनयूआईएमएसआरसी के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक ले. जनरल डा. बी. के चोपड़ा के साथ विद्यार्थी और मेडिकल संकाय के शिक्षक गण भी उपस्थित थे।

भुगतान की नई दुनियाः

यूपीआई कैसे बना मानवता के दोस्त

भुगतान की दुनिया में आये दिनों यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) एक बहुत ही महत्वपूर्ण और मानवता के दोस्त साबित हुआ है। यह तकनीकी उपाय ने भुगतान की प्रक्रिया को सरल बना दिया है और लोगों को बैंक जाने की आवश्यकता नहीं है। इस ब्लॉग में, हम यूपीआई के बारे में विस्तार से जानेंगे और इसके महत्व को समझेंगे।

यूपीआई क्या है?

यॅपीआई एक तकनीकी उपाय है जो भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाता है। इसका मतलब है कि आप अब बैंक जाने की आवश्यकता नहीं है, आप अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके सीधे अपने बैंक खाते से पैसे भेज सकते हैं। यह आपके जीवन को किसी भी समय सुविधाजनक बनाता है।

यूपीआई कैसे काम करता है?

यूपीआई का काम करने का तरीका बहुत ही सरल है। आपको सिर्फ अपने स्मार्टफोन पर यूपीआई एप्लिकेशन इंस्टॉल करना होता है, और फिर आपको अपने बैंक खाते को इससे जोड़ना होता है। यह काम एक बार करने के बाद, आप अपने बैंक खाते से जुड़े हुए अन्य उपयोगकर्ताओं को पैसे भेजने और प्राप्त करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

यूपीआई के लाभः–

1.सरलताः यूपीआई ने भुगतान की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। आप अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके कहीं भी, कभी भी और किसी भी समय भुगतान कर सकते हैं।

2. तुरंत प्राप्तिः यूपीआई का उपयोग करके आप तुरंत और सुरक्षित तरीके से पैसे प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभकारकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से जब आपको जल्दी पैसे की आवश्यकता होती है।

3. सुरक्षाः यूपीआई एक सुरक्षित प्रौद्योगिकी है जो आपके वित्तीय लेन–देन को सुरक्षित रूप से रखती है। यह आपके खाते की सुरक्षा के लिए विभिन्न सुरक्षा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है।

4. सुलभताः आपको अपने बैंक जाने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने घर से ही अपने बैंक खाते का प्रबंधन कर सकते हैं।

युवराज सिंह चौहान
विद्यार्थी, एमजेएमसी प्रथम

Timeline
This Month...

November 6, 1429 - Henry VI was crowned King of England at age eight. He had acceded to the throne at the age of nine months following the death of Charles VI.

••••••

November 18, 1477 - William Caxton printed the first book in the English language, The Dictes and Sayengis of the Phylosophers.

••••••

November 19, 1493 - Puerto Rico was discovered by Columbus during his second voyage to the New World.

••••••

November 22, 1497 - Portuguese navigator Vasco Da Gama, leading a fleet of four ships, became the first to sail round the Cape of Good Hope, while searching for a sea route to India.

••••••

Compiled by: Ms. Poonam

Vocabulary

Behaviourism; The psychological movement that regards human behavior as something that can be manipulated.

••••••

Branding: The process by which a commodity in the marketplace is known primarily for the image it projects rather than any actual quality.

••••••

Boilerplate: A brief paragraph stating who you are, what you do, and how you do it, usually used as the first paragraph in a biography or last paragraph in a news release

••••••

Booker: The staffperson at a TV, radio, or cable station who responds to pitch letters when an appearance needs to be arranged or "booked"

••••••

Broadcast: To transmit electronically by radio or TV

••••••

Compiled by: Dr. Vijay Singh

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

छात्रों ने लॉ कार्यशाला का उठाया लाभ

मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्त्तव्य भी महत्त्वपूर्णः डॉ संदीप बख्शी

सीडलिंग स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, की इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और कंसल्टेंसी समिति ने संवैधानिक दिवस के उपलक्ष्य में, अतिथि व्याख्यान और कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को संवैधानिक दिवस का महत्त्व बताना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता माननीय (श्री) न्यायमूर्ति सी.के. सोनगरा, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय और प्रोफेसर साहिबनूर सिंह सिद्धू, सहायक व्याख्याता और सहायक डीन, स्पेशल इनिशियेटिवस्, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत थे।

इस अवसर पर चांसलर डॉ संदीप बख्शी ने छात्रों को संवैधानिक दिवस के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि हमें अपने मौलिक अधिकारों को जानने के साथ साथ हमारे मौलिक कर्त्तव्यों की जानकारी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान को लगभग तीन वर्षों की अथक मेहनत के बाद बनाया गया है। हमारे संविधान में कई देशों के संविधानों से प्रेरणा लेकर कानून बनाए गए हैं।

न्यायमूर्ति सोनगरा का मानना था कि जनहित याचिका भारत के संविधान की महान उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने भारत के संविधान के ऐतिहासिक विकास के बारे में संक्षेप में चर्चा की। प्रोफेसर साहिबनूर सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान में संविधान के ख़तरे का उदाहरण दिया। उन्होंने मौलिक अधिकार के रूप में सूचना के अधिकार के महत्व पर भी जोर दिया।

इस कार्यक्रम में सीडलिंग स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

Kathan

"Success usually comes to those who are too busy looking for it."
- Henry David Thoreau

••••••

"Develop success from failures. Discouragement and failure are two of the surest stepping stones to success."
- Dale Carnegie

••••••

"There are three ways to ultimate success: The first way is to be kind. The second way is to be kind. The third way is to be kind."
- Mister Rogers

••••••

"Success is peace of mind, which is a direct result of self-satisfaction in knowing you made the effort to become the best of which you are capable."
- John Wooden

••••••

Compiled by: Mr. Rahul K Darji

प्रबंधकीय छात्रों ने कार्यशाला का उठाया लाभ

चांसलर डॉ संदीप बख्शी ने बताया प्लेसमेंट में साक्षात्कार को महत्त्वपूर्ण

जयपुर, 24 नवंबर। स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, ने गूगलमीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से "चेज़ योर ड्रीम्स फ्रॉम कैंपस टू कार्पोरेट" विषय पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रबंधन क्षेत्र में इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से अवगत कराना था। इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता एरिशा एडुस्पोर्ट की सह–संस्थापक और सीओओ सुश्री शीतल पुरोहित थीं। उन्होंने प्लेसमेंट के विभिन्न पहलुओं जैसे कैंपस भर्ती प्रक्रिया और उसके चरणों को समझना, प्रारंभिक तैयारी और योजना का महत्व, सॉफ्ट स्किल्स क्या हैं और करियर ग्रोथ के लिए इसका महत्व एवं कैरियर लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें भर्ती अपेक्षाओं के साथ संरेखित करने पर जानकारी दी।

इस अवसर पर डॉ संदीप बख्शी ने छात्रों को प्रबंधन क्षेत्र में प्लेसमेंट के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि प्लेसमेंट पाने की प्रथम सीढ़ी साक्षात्कार है जिसके लिए संवाद कौशल, प्रभावी संचार, शारीरिक भाषा और तैयारी जरूरी अंग हैं। यहां पर आत्मविश्वास से उत्तर देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने साक्षात्कार की ताकत और कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक ष्टिकोण, ईमानदारी, संचार और सक्रिय रूप से सुनने जैसे कुछ साक्षात्कार कौशल आपके पक्ष में नियुक्ति निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं।

इस अवसर पर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, जेएनयू के विद्यार्थी और संकाय के शिक्षक गण भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में छात्रों ने प्लेसमेंट की बुनियादी से लेकर अग्रिम जानकरी प्राप्त कर उसे आत्मसात किया। अंत में विद्यार्थियों ने वक्ता से प्रश्न पूछे।

Chief Patron: Dr. Sandeep Bakshi; **Patrons:** Prof. H. N. Verma, Prof. RL Raina; **Editor:** Dr. Sanjay Srivastava, Rahul Mittal; **Editorial Board:** Dr. Vijay Singh, Ms. Manisha Sharma

Student Editorial Team: Priya Ranjan, Ridhi; Mohit, Teena, Harshita; **Photography:** Mr. Gaurav Sharma, Mr. Roushan, Prem, Nitish